LECTURE - 1

Vishal
V.S.J. College

BA - 2
Paper - 3

भारत की जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व

(Geography of India and Bihar)

भारत संसार का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। भारत की कुल जनसंख्या 102.7 करोड़ (2001) है, जो संसार की कुल जनसंख्या का 16.7% है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा देश है इसका क्षेत्रफल विश्व के कुल क्षेत्रफल का मात्र 2.4% है। इसकी विशाल जनसंख्या के सीमित संसाधन पर निर्भर होने के कारण अनेक सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक उलझनें पैदा होती हैं। विशाल जनसंख्या प्राकृतिक तथा मानव द्वारा निर्मित संसाधनों पर एक बोझ है। गरीबी और पर्यावरण का ह्रास वर्तमान भारत की दो प्रमुख समस्याएँ हैं इन समस्याओं का मुख्य कारण भी जनसंख्या की अधिकता ही है। जनसंख्या की विशालता के कारण नृजातीय विविधता, अत्यधिक ग्रामीण स्वरूप और असमान वितरण आदि अन्य पहलू हैं जो सामाजिक - आर्थिक विकास की प्रक्रिया और गति को प्रभावित कर रहे हैं।

- जनसंख्या वृद्धि :-

भारत की जनसंख्या 1901 में 23.84 करोड़ थी जो बढ़कर 2001 में 102.7 करोड़ हो गयी। अर्थात् विगत सदी में भारत की जनसंख्या में 78.86 करोड़ की वृद्धि हुई। 1901 से भारत की जनसंख्या निरन्तर बढ़ रही है, केवल 1911 एवं 1921 के बीच थोड़ी सी कमी आयी थी। भारत की जनसंख्या की दशकीय वृद्धि 1981 तक लगातार बढ़ती रही लेकिन इसके बाद इसमें कमी आयी कुछ

हो गयी थी। भारत के जनांकिकीय इतिहास को चार (4) अवस्थाओं में विभाजित किया जा सकता है —

1. धीमी वृद्धि की अवस्था (1921 से पूर्व)
2. तिव्र वृद्धि की अवस्था (1921 से 1951)
3. तीव्र वृद्धि की अवस्था (1951 से 1981)
4. घटती वृद्धि की अवस्था (1981 के बाद)

Scanned with CamScanner